

HINDI FILE



DREAM
FOR NATION



DARE
TO SERVE



DELIVER
WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : **SEPTEMBER 1,**

2020



Comprehensive
Coverage



Exam-Focused
Analysis



Concept Clarity
& Insights



Practice MCQs
with Explanation



Daily Updates,
Better Results



CONTACT INFO:

+91 92896 33341 | +91 96679 33341



EMAIL ID:

info@sixsigmaias.com



WEB PAGE:

www.sixsigmaias.com



ADDRESS:

C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम: दमनकारी नीतियां

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. "हंटर समिति" की नियुक्ति भारत छोड़ो आंदोलन के बाद बॉम्बे प्रेसीडेंसी में उपद्रवों की जाँच हेतु की गई थी।
2. "क्रॉलिंग आदेश" जलियाँवाला बाग नरसंहार के उपरांत जारी किया गया था।

सही कथन कौन-सा/कौन-से है/हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) दोनों 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** 1919 के जलियाँवाला बाग नरसंहार के बाद ब्रिटिश सरकार ने **डिसऑर्डर्स इन्क्वायरी कमेटी** का गठन किया था, जिसे **हंटर समिति** के नाम से जाना जाता है। इसका उद्देश्य पंजाब में हुई अशांति की जाँच करना था। (ध्यान दें: 1882 में शिक्षा के लिए भी एक हंटर आयोग बना था, भ्रमित न हों)।
- **कथन 2 सही है:** जलियाँवाला बाग कांड के बाद अमृतसर में मार्शल लॉ लागू था। जनरल डायर ने **"क्रॉलिंग आदेश"** जारी किया, जिसके तहत भारतीयों को उस गली (कौरिया वाली गली) में पेट के बल रेंगकर निकलने की सजा दी गई जहाँ मिस शेरवुड पर हमला हुआ था।

प्रश्न 2. पर्यावरण और पारिस्थितिकी: कीस्टोन प्रजाति

"कीस्टोन प्रजाति" (Keystone Species) की पारिस्थितिकीय भूमिका को निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सर्वश्रेष्ठ रूप से स्पष्ट करता है? (a) वे किसी आवास में सबसे अधिक संख्या में पाई जाती हैं और ऊर्जा प्रवाह निर्धारित करती हैं। (b) उनके हट जाने से पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना और कार्यप्रणाली में व्यापक परिवर्तन हो जाता है। (c) वे सदैव शीर्ष शिकारी होती हैं और शाकाहारी जनसंख्या को नियंत्रित करती हैं। (d) वे प्राथमिक अपसरण प्रक्रिया की प्रथम उपनिवेशक होती हैं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कीस्टोन प्रजाति** वह प्रजाति है जिसका अपने पर्यावरण पर अपनी 'संख्या' या 'द्रव्यमान' की तुलना में बहुत अधिक प्रभाव होता है।
- यदि इन्हें हटा दिया जाए, तो पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) नाटकीय रूप से बदल सकता है या पूरी तरह नष्ट हो सकता है।
- **उदाहरण: समुद्री ऊदबिलाव (Sea Otter)**। ये समुद्री अर्चिन को खाते हैं। यदि ऊदबिलाव न हों, तो अर्चिन की संख्या बढ़ जाएगी और वे पूरे केल्प (Kelp) वनों को नष्ट कर देंगे, जिससे उस पर निर्भर अन्य प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी।

प्रश्न 3. भारतीय अर्थव्यवस्था: प्रमुख वित्तीय शब्दावलि

हाल के दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. "ट्विन बैलेंस शीट समस्या" का तात्पर्य बैंकों तथा बड़े कॉर्पोरेट्स दोनों की वित्तीय संकट की स्थिति से है।
2. "ट्विन डेफिसिट परिकल्पना" राजकोषीय घाटा एवं चालू खाते के घाटे के मध्य संबंध को दर्शाती है।
3. "क्राउडिंग आउट" (Crowding Out) वह स्थिति है जब सार्वजनिक क्षेत्र का ऋण निजी निवेश को कम कर देता है।

सही कथन कौन-से हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

उत्तर: (d) 1, 2 और 3 सभी

व्याख्या:

- **कथन 1:** यह स्थिति तब बनती है जब कॉर्पोरेट्स ने अत्यधिक कर्ज लिया हो और वे उसे चुका न पा रहे हों, जिससे बैंकों की **NPA (Non-Performing Assets)** बढ़ जाती है और दोनों की बैलेंस शीट खराब हो जाती है।
- **कथन 2:** जब सरकार का **राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)** बढ़ता है, तो अक्सर यह **चालू खाता घाटा (CAD)** को भी बढ़ा देता है क्योंकि घरेलू बचत कम हो जाती है और आयात बढ़ जाता है।
- **कथन 3:** जब सरकार बाजार से बहुत अधिक कर्ज लेती है, तो ऋण के लिए **ब्याज दरें** बढ़ जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप निजी कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है, जिससे निजी निवेश घट जाता है।

प्रश्न 4. भारतीय राजव्यवस्था: राज्यपाल की संवैधानिक स्थिति

भारत में राज्यपाल के पद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राज्यपाल अनुच्छेद 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा कर सकता है, और यह अनुशंसा न्यायालय में विचारणीय नहीं है।
2. राज्यपाल कुछ प्रकार के विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित करने के लिए बाध्य है।
3. विधेयक पर हस्ताक्षर करने के मामले में राज्यपाल के पास राष्ट्रपति के समान ही पूर्ण विवेकाधिकार है।
4. राज्यपाल की नियुक्ति निश्चित पाँच वर्ष की अवधि के लिए होती है और उसे इस अवधि से पूर्व हटाया नहीं जा सकता।

सही कथन कौन-से हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1, 2 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- **कथन 1:** राज्यपाल की रिपोर्ट वस्तुनिष्ठ आधार पर होनी चाहिए। हालाँकि रिपोर्ट स्वयं समीक्षा से परे हो सकती है, लेकिन **एस.आर. बोम्मई केस (1994)** के बाद, राष्ट्रपति की उद्घोषणा की न्यायिक समीक्षा संभव है यदि वह दुर्भावनापूर्ण हो।
- **कथन 2:** अनुच्छेद 200 के तहत, यदि कोई विधेयक **उच्च न्यायालय की शक्तियों** को खतरे में डालता है, तो राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने हेतु **संवैधानिक रूप से बाध्य** है।
- **कथन 3 गलत है:** राज्यपाल के पास राज्य स्तर पर विधेयकों को आरक्षित करने का विवेकाधिकार है, जो राष्ट्रपति के पास (संसदीय विधेयकों हेतु) नहीं है।
- **कथन 4 गलत है:** राज्यपाल राष्ट्रपति के **"प्रसादपर्यंत" (Pleasure of the President)** पद धारण करता है। उसे किसी भी समय बिना कारण बताए हटाया जा सकता है।

प्रश्न 5. भूगोल: भारतीय तटीय मैदानों का तुलनात्मक विश्लेषण

कथन (A): भारत के पश्चिमी तटीय मैदान, पूर्वी तटीय मैदानों की तुलना में संकरे और अधिक विखंडित हैं। **कारण (R):** पश्चिमी घाट लगभग तट के समांतर और अत्यंत समीप स्थित हैं, जिससे व्यापक निक्षेपों के लिए स्थान सीमित हो जाता है।

सही विकल्प चुनिए: (a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही कारण है। (b) A और R दोनों सत्य हैं किन्तु R, A का सही कारण नहीं है। (c) A सत्य है किन्तु R असत्य है। (d) A असत्य है किन्तु R सत्य है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **पश्चिमी तटीय मैदान:** यह एक 'मग्न' (Submerged) तट का उदाहरण है। यहाँ नदियाँ छोटी और तीव्रगामी होती हैं, जो **डेल्टा के बजाय एस्टुअरी (Estuary)** बनाती हैं। घाटों की निकटता के कारण ये मैदान संकरे हैं।
- **पूर्वी तटीय मैदान:** यहाँ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी बड़ी नदियाँ विस्तृत **डेल्टा** बनाती हैं, जिससे यह मैदान चौड़ा और उपजाऊ है।
- अतः, कारण (R) बिल्कुल सही ढंग से कथन (A) की व्याख्या करता है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. भारतीय मोर (Indian Peafowl) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I:

भारतीय मोर को एक ही समय में वैश्विक स्तर पर अपेक्षाकृत कम विलुप्ति की चिंता वाली प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है और फिर भी भारत के वन्यजीव-संरक्षण ढांचे के तहत कानूनी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी प्राप्त हो सकती है।

कथन-II:

यह स्पष्ट अंतर इसलिए उत्पन्न होता है क्योंकि IUCN रेड लिस्ट प्राथमिक रूप से वैश्विक जनसंख्या स्तर पर प्रजातियों का मूल्यांकन करती है, जबकि भारत की कानूनी सुरक्षा में राष्ट्रीय संरक्षण प्राथमिकताओं, शोषण और पारिस्थितिक महत्व के विचारों को शामिल किया जा सकता है।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या करता है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, लेकिन कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (c) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है।
- (d) कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

भारतीय मोर (*Pavo cristatus*) को IUCN रेड लिस्ट में 'कम चिंताग्रस्त' (Least Concern - LC) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि भारत में इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम ढांचे के तहत अनुसूची I की सुरक्षा प्राप्त है।

यह विरोधाभासी नहीं है।

- IUCN स्थिति वैश्विक स्तर पर विलुप्ति के जोखिम का एक मूल्यांकन है।
- राष्ट्रीय विधान राष्ट्रीय परिस्थितियों, ऐतिहासिक शोषण, सांस्कृतिक महत्व, पारिस्थितिक विचारों और घरेलू संरक्षण प्राथमिकताओं के आधार पर बहुत मजबूत सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

इस प्रकार, किसी विशेष देश में कड़े कानूनी संरक्षण प्राप्त करने के लिए किसी प्रजाति का वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त होना आवश्यक नहीं है।

यूपीएससी ट्रेप (UPSC Trap):

एक अभ्यर्थी गलत तरीके से यह मान सकता है कि अनुसूची I का अर्थ स्वतः ही IUCN के तहत "संकटग्रस्त" (Endangered) होता है। इन दोनों वर्गीकरण प्रणालियों के उद्देश्य भिन्न हैं।

प्रश्न 2. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा NCDC (संशोधन) विधेयक, 2026 के माध्यम से प्रस्तावित सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक बदलाव को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?

- (a) सहकारिता मंत्रालय के तहत NCDC का एक वैधानिक निगम से संवैधानिक निकाय में परिवर्तन
- (b) इसके वस्तु-केंद्रित (commodity-centred) कार्यक्रम वित्तपोषण ढांचे को सहकारी विकास पर केंद्रित एक व्यापक ढांचे से बदलना
- (c) NCDC वित्तपोषण को विशेष रूप से एक से अधिक राज्यों में काम करने वाली सहकारिताओं तक सीमित करना
- (d) NCDC के निवेश और ऋण देने के कार्यों का पूरी तरह से भारतीय रिजर्व बैंक को हस्तांतरण

उत्तर: (b)

व्याख्या:

NCDC (संशोधन) विधेयक, 2026 NCDC के वैचारिक दायरे को व्यापक बनाने का प्रयास करता है।

मौजूदा ढांचे के तहत, NCDC कृषि उपज, खाद्य पदार्थ, गौण वन उपज और अधिसूचित वस्तुओं/सेवाओं जैसे निर्दिष्ट क्षेत्रों में सहकारी समितियों के माध्यम से कार्यान्वित कार्यक्रमों की योजना बनाता है, उन्हें बढ़ावा देता है और वित्तपोषित करता है।

इसके बजाय, यह विधेयक निगम की भूमिका को "सहकारी विकास" के इर्द-गिर्द तैयार करता है, जिसे सहकारी समितियों को प्रत्यक्ष या मध्यस्थों के माध्यम से सहायता प्रदान करने के रूप में व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है।

यह निम्नलिखित भी करता है:

- खाद्य पदार्थों की परिभाषा का विस्तार करता है;
- इस आवश्यकता को हटाता है कि कुछ औद्योगिक सामान उत्पादक सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होना चाहिए;
- वित्तपोषण के लिए पात्र संस्थाओं का विस्तार करता है;
- केंद्र सरकार के अनुमोदन के अधीन, राज्य स्तरीय सहकारी समितियों और सहकारी विकास में लगी संस्थाओं में निवेश की अनुमति देता है;
- NCDC को क्रेडिट और अन्य जानकारी एकत्र करने और प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं:

- (a) NCDC एक वैधानिक निगम ही बना हुआ है।
- (b) यह विधेयक सीमित करने के बजाय वास्तव में पात्रता का विस्तार करता है।

- (d) आरबीआई को ऐसा कोई हस्तांतरण प्रस्तावित नहीं है।

मुख्य वैचारिक सीख:

संशोधन एक अपेक्षाकृत क्षेत्र/वस्तु-विशिष्ट वित्तपोषण अभिविन्यास से व्यापक सहकारी-विकास अभिविन्यास की ओर बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रश्न 3. मीड झील (Lake Mead) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मीड झील हूवर बांध (Hoover Dam) के माध्यम से कोलोराडो नदी को रोककर बनाई गई एक कृत्रिम जलाशय है।
2. इसका रणनीतिक महत्व केवल जलविद्युत उत्पादन में इसकी भूमिका से उत्पन्न होता है, जबकि कृषि और नगरपालिका जल आपूर्ति मुख्य रूप से पॉवेल झील (Lake Powell) पर निर्भर हैं।
3. एरिज़ोना-नेवादा सीमा के साथ इसकी स्थिति इसे निचले कोलोराडो नदी तंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक बनाती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 – सही।

मीड झील का निर्माण कोलोराडो नदी पर हूवर बांध के निर्माण के बाद हुआ था। यह निचले कोलोराडो नदी तंत्र का एक प्रमुख जलाशय है।

कथन 2 – गलत।

यह मुख्य ट्रैप है।

मीड झील केवल जलविद्युत के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है। यह निम्नलिखित के लिए आपूर्ति/भंडारण सहायता प्रदान करती है:

- नगरपालिका जल आपूर्ति,
- कृषि सिंचाई,
- जलविद्युत उत्पादन,
- अमेरिकी दक्षिण-पश्चिम में व्यापक जल प्रबंधन।

इसलिए वर्तमान संकट केवल बिजली-उत्पादन का मुद्दा नहीं है।

कथन 3 – सही।

मीड झील एरिज़ोना-नेवादा सीमा पर स्थित है और निचले कोलोराडो नदी तंत्र से निकटता से जुड़ी हुई है।

इसलिए:

कथन 1 और 3 = सही

उत्तर = (b).

करंट अफेयर्स दृष्टिकोण:

मीड झील लगभग 1,040.4 फीट के अभूतपूर्व निचले स्तर पर पहुंच गई, जो कोलोराडो नदी तंत्र पर निरंतर दबाव को रेखांकित करती है।

महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक संबंध है:

सूखा + कम बर्फबारी + ग्लोबल वार्मिंग + दीर्घकालिक अत्यधिक आवंटन/अत्यधिक उपयोग → कोलोराडो नदी के प्रवाह में कमी → घटता जलाशय भंडारण → जल-सुरक्षा परिणाम।

प्रश्न 4. हल्लानियात द्वीप समूह (Hallaniyat Islands) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हल्लानियात द्वीप समूह अरब सागर में, ओमान के दक्षिणी तट से दूर स्थित हैं।
2. वे ओमान के डोफार (Dhofar) गवर्नरेट का हिस्सा हैं और भौगोलिक रूप से अरब सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले समुद्री मार्गों के करीब स्थित हैं।
3. ये द्वीप पूरी तरह से निर्जन हैं और इसलिए उनके हालिया पर्यावरण संरक्षण उपाय मानवीय गतिविधियों के बजाय विशेष रूप से समुद्री जैव विविधता की ओर निर्देशित हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 – सही।

हल्लाणियात द्वीप समूह, जिन्हें पहले कुरिया मुरिया द्वीप समूह के नाम से जाना जाता था, दक्षिणी/दक्षिण-पूर्वी ओमान के तट पर अरब सागर में पांच द्वीपों का एक समूह है।

कथन 2 – सही।

वे दक्षिणी ओमान में डोफार गवर्नरेट का हिस्सा हैं। उनकी भौगोलिक स्थिति उन्हें अरब सागर के व्यापक समुद्री भूगोल और अदन की खाड़ी की ओर जाने वाले मार्गों के लिए प्रासंगिक बनाती है।

कथन 3 – गलत।

ये द्वीप पूरी तरह से निर्जन नहीं हैं। अल हल्लाणिया (Al Hallaniyah) सबसे बड़ा द्वीप है और वहां एक स्थायी मानव बस्ती है।

इसके अलावा, संरक्षण विनियमन अकेले जैव विविधता तक सीमित नहीं है। ओमान का विनियामक ढांचा जैसी गतिविधियों को कवर करता है:

- दौरा करना,
- डाइविंग,
- फोटोग्राफी,
- वैज्ञानिक अनुसंधान,
- मछली पकड़ना,
- जहाजों का लंगर डालना।

रिजर्व के भीतर कई गतिविधियों के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है।

इसलिए:

केवल कथन 1 और 2 = सही।

उत्तर: (b)

यूपीएससी ट्रेप (UPSC Trap):

"पूरी तरह से निर्जन" (entirely uninhabited) वाक्यांश जानबूझकर डाला गया है क्योंकि द्वीपों को अक्सर अपेक्षाकृत अछूता/प्राकृतिक (untouched/pristine) वर्णित किया जाता है। "अपेक्षाकृत अछूता" ≠ "निर्जन"।

प्रश्न 5. न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 (Tribunals Reforms Bill, 2026) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- विधेयक के तहत प्रस्तावित राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग (National Tribunals Commission) में न्यायिक के साथ-साथ तकनीकी सदस्य भी शामिल हैं, जिससे निर्णयकारी स्वतंत्रता और प्रशासनिक विशेषज्ञता के बीच अंतर को संस्थागत बनाने का प्रयास किया गया है।
- यद्यपि राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग में नियुक्तियां केंद्र सरकार द्वारा की जाती हैं, इसके अध्यक्ष और न्यायिक सदस्यों की नियुक्तियों के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श की आवश्यकता होती है।
- यह विधेयक राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग की सिफारिशों को केंद्र सरकार पर स्वतः बाध्यकारी बनाकर न्यायाधिकरण नियुक्ति प्रक्रिया से कार्यपालिका को पूरी तरह से हटा देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

कथन 1 – सही।

प्रस्तावित राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग (NTC) में शामिल हैं:

- एक अध्यक्ष जो सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा हो;
- दो न्यायिक सदस्य;
- दो तकनीकी सदस्य।

तकनीकी सदस्यों के पास लोक प्रशासन, वित्त, कानून, लेखा, बैंकिंग, प्रबंधन या प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कम से कम 25 वर्षों का अनुभव आवश्यक है।

यह प्रशासनिक/तकनीकी विशेषज्ञता के साथ न्यायिक स्वतंत्रता को जोड़ने के प्रयास को दर्शाता है।

कथन 2 – सही।

नियुक्तियां औपचारिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा की जाती हैं, लेकिन अध्यक्ष और न्यायिक सदस्यों की नियुक्तियां भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद ही की जानी चाहिए।

यह एक महत्वपूर्ण सूक्ष्मता (nuance) है।

कथन 3 – गलत।

यह विधेयक प्रक्रिया से कार्यपालिका को पूरी तरह से नहीं हटाता है।

चयन समिति सिफारिश करती है:

- नियुक्ति के लिए एक नाम; और
- प्रतीक्षा सूची में एक अतिरिक्त नाम।

केंद्र सरकार को सिफारिश के तीन महीने के भीतर नियुक्ति करनी होगी।

इस प्रकार, संस्थागत ढांचे में कार्यपालिका की वैधानिक भूमिका बनी रहती है।

मुख्य वैचारिक मुद्दा:

विधेयक संस्थागत ढांचे से कार्यपालिका को पूरी तरह खत्म किए बिना अत्यधिक कार्यकारी नियंत्रण को कम करने का प्रयास करता है।

यूपीएससी के लिए वह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उत्तर: (a)

प्रश्न 6. न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग का उद्देश्य न्यायाधिकरण के सदस्यों की नियुक्ति से परे कार्यों का संपादन करना है।
2. यह विधेयक एक राष्ट्रीय न्यायाधिकरण डेटा ग्रीड (National Tribunals Data Grid) का प्रावधान करता है।
3. न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों और न्यायाधिकरणों के सदस्यों का कार्यकाल अवधि और अधिकतम स्वीकार्य आयु दोनों के संदर्भ में समान है।
4. यह विधेयक न्यायाधिकरण के अध्यक्षों और सदस्यों के पिछले प्रदर्शन के संदर्भ के बिना पुनर्नियुक्ति का प्रावधान करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 – सही।

NTC केवल एक नियुक्ति निकाय नहीं है। इसके कार्यों में शामिल हैं:

- न्यायाधिकरण रिक्तियों के लिए चयन;
- न्यायाधिकरण के प्रदर्शन की समीक्षा;
- न्यायाधिकरण के अध्यक्षों/सदस्यों के खिलाफ शिकायतों की जांच की देखरेख;
- राष्ट्रीय न्यायाधिकरण डेटा ग्रीड का रख-रखाव।

इसलिए, इसकी एक संस्थागत पर्यवेक्षण भूमिका है।

कथन 2 – सही।

विधेयक विशेष रूप से राष्ट्रीय न्यायाधिकरण डेटा ग्रीड के विकास और रख-रखाव का प्रावधान करता है।

कथन 3 – गलत।



यद्यपि दोनों का नाममात्र का 5 वर्ष का कार्यकाल है, उनकी ऊपरी आयु सीमाएं भिन्न हैं:

- न्यायाधिकरण अध्यक्ष: 70 वर्ष
- न्यायाधिकरण सदस्य: 67 वर्ष।

इस प्रकार, अवधि समान प्रतीत हो सकती है, लेकिन अधिकतम आयु समान नहीं है।

कथन 4 – गलत।

पुनर्नियुक्ति पिछले कार्य प्रदर्शन से जुड़ी हुई है। सदस्यों के मामले में, संबंधित न्यायाधिकरण के अध्यक्ष से परामर्श भी प्रासंगिक है।

इसलिए केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

उत्तर: (b)

कठिनाई का जाल (Difficulty Trap):

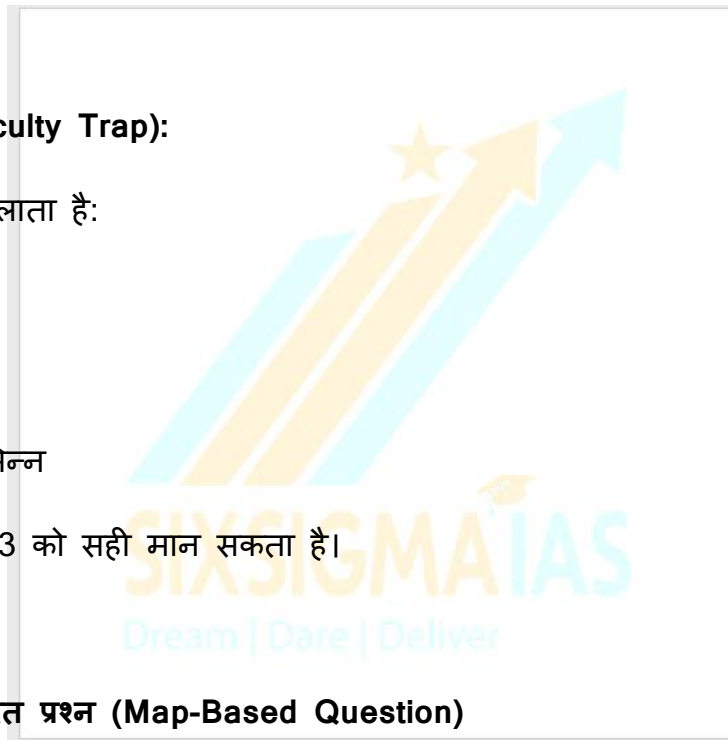
यह प्रश्न जानबूझकर मिलाता है:

5 वर्ष → समान

के साथ

70 बनाम 67 वर्ष → भिन्न

एक सतही पाठक कथन 3 को सही मान सकता है।



प्रश्न 7. मानचित्र आधारित प्रश्न (Map-Based Question)

निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

जलडमरूमध्य (Strait)

जुड़े हुए जल निकाय (Water bodies connected)

- | | |
|---------------------------------------|-------------------------------|
| 1. मलक्का जलडमरूमध्य (Malacca Strait) | अंडमान सागर - दक्षिण चीन सागर |
| 2. सुंडा जलडमरूमध्य (Sunda Strait) | जावा सागर - हिंद महासागर |

जलडमरूमध्य (Strait)

जुड़े हुए जल निकाय (Water bodies connected)

3. लोम्बोक जलडमरूमध्य (Lombok Strait)

बाली सागर - हिंद महासागर

4. मकासर जलडमरूमध्य (Makassar Strait)

जावा सागर - सेलेब्स सागर

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

चारों युग्म सही सुमेलित हैं।

1. मलक्का जलडमरूमध्य – सही

मलक्का जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप और सुमात्रा के बीच स्थित है और अंडमान सागर/हिंद महासागर की ओर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ने वाला एक प्रमुख समुद्री मार्ग बनाता है।

यह दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री संकीर्ण मार्गों (chokepoints) में से एक है।

2. सुंडा जलडमरूमध्य – सही

सुंडा जलडमरूमध्य सुमात्रा और जावा के बीच स्थित है और जावा सागर को हिंद महासागर से जोड़ता है।

3. लोम्बोक जलडमरूमध्य – सही

लोम्बोक जलडमरूमध्य बाली और लोम्बोक को अलग करता है और बाली सागर को हिंद महासागर से जोड़ता है।

यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी अधिक गहराई कुछ बड़े जहाजों को उथले मलक्का जलडमरूमध्य के बजाय इसका उपयोग करने की अनुमति देती है।

4. मकासर जलडमरूमध्य – सही

मकासर जलडमरूमध्य बोर्नियो और सुलावेसी के बीच स्थित है और सेलेब्स सागर को जावा सागर से जोड़ता है।

इसलिए, चारों युग्म सही सुमेलित हैं।

उत्तर: (d)

मानचित्र आधारित यूपीएससी सीख:

दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री भूगोल के लिए एक उपयोगी मानसिक क्रम है:

मलक्का → सुंडा → लोम्बोक → मकासर

और उन्हें उनके आसपास के प्रमुख द्वीपों से जोड़ें:

- मलक्का → मलय प्रायद्वीप-सुमात्रा
- सुंडा → सुमात्रा-जावा
- लोम्बोक → बाली-लोम्बोक
- मकासर → बोर्नियो-सुलावेसी

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन - I (भूगोल एवं आपदा प्रबंधन)

प्रश्न 1: "भूमि धँसाव भारत के शहरी तथा ग्रामीण परिदृश्य में एक छिपा हुआ खतरा बनकर उभर रहा है।" इस घटना के कारणों, परिणामों और प्रबंधन की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: भूमि धँसाव (Land Subsidence) पृथ्वी की सतह का ऊर्ध्वाधर विस्थापन या धँसना है। हाल के वर्षों में जोशीमठ (उत्तराखंड) और दिल्ली-NCR जैसे क्षेत्रों में इस संकट ने नीतिगत चर्चाओं में प्रमुख स्थान लिया है।

1. धँसाव के प्रमुख कारक

- **प्राकृतिक कारक:** भू-गर्वीय विवर्तनिकी (Tectonic activities), भूकंपीय अस्थिरता और **कार्स्ट (Karst)** स्थलाकृति में चूना-पत्थर का विलेपन।
- **मानवीय कारक (प्रमुख भूमिका):** * **अत्यधिक भूजल दोहन:** पंजाब और दिल्ली जैसे क्षेत्रों में एक्विफर (Aquifer) के खाली होने से मिट्टी का संकुचन।
 - **अनियोजित निर्माण:** हिमालयी क्षेत्रों में वहन क्षमता (Carrying Capacity) से अधिक निर्माण भार।
 - **खनन:** झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के कोयला क्षेत्रों में भूमिगत रिक्तियाँ।

2. बहुआयामी परिणाम

- **सामाजिक:** बड़े पैमाने पर विस्थापन और मनोवैज्ञानिक असुरक्षा।
- **अवसंरचनात्मक:** पाइपलाइनों का फटना, सड़कों में दरारें और इमारतों का असुरक्षित होना।
- **आर्थिक:** कृषि योग्य भूमि का नुकसान और पुनर्वास पर बढ़ता सार्वजनिक व्यय।

3. सतत प्रबंधन हेतु रूपरेखा

"राष्ट्रीय भूमि धँसाव शमन मिशन" का सुझाव:

1. **मैपिंग:** LiDAR और उपग्रह डेटा (ISRO/NRSC) के माध्यम से जोखिम क्षेत्रों का मानचित्रण।
2. **विनियमन:** भूजल पुनर्भरण (Rainwater Harvesting) को अनिवार्य बनाना।
3. **ज़ोनिंग:** संवेदनशील क्षेत्रों में 'नो-कंस्ट्रक्शन ज़ोन' का कड़ाई से पालन।
4. **सैंड्राई फ्रेमवर्क:** आपदा प्रबंधन योजनाओं में भूमि धँसाव को एक विशिष्ट आपदा के रूप में शामिल करना।

सामान्य अध्ययन - II (शासन एवं राजनीति)

प्रश्न 2: भारत में विदेशियों के अधिकरणों (FTs) की भूमिका की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

उत्तर: विदेशियों के अधिकरण (FTs) विदेशियों (अधिकरण) आदेश, 1964 के तहत गठित अर्द्ध-न्यायिक निकाय हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

संतुलन की स्थापना: सकारात्मक पक्ष

- **प्रक्रियात्मक अवसर:** यह व्यक्तियों को केवल प्रशासनिक आदेश के बजाय न्यायिक मंच पर अपनी नागरिकता सिद्ध करने का अवसर देता है।

- **सुरक्षा:** अवैध प्रवासन की पहचान कर देश की आंतरिक जनसांख्यिकी की रक्षा करता है।

आलोचनात्मक विश्लेषण (चुनौतियां)

- **प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन:** 'प्रमाण का भार' (Burden of Proof) व्यक्ति पर होना, जो अक्सर अशिक्षित और गरीब वर्गों के लिए कठिन होता है।
- **असंगति:** विभिन्न अधिकरणों के निर्णयों में एकरूपता का अभाव और सदस्यों की नियुक्ति में पारदर्शिता की कमी।
- **मानवीय संकट:** "विदेशी" घोषित व्यक्ति की स्थिति 'स्टेटलेस' (Stateless) जैसी हो जाती है, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

निष्कर्ष: FTs की विश्वसनीयता उनकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर निर्भर है। संप्रभुता की रक्षा के साथ-साथ संवैधानिक नैतिकता का पालन अनिवार्य है।

सामान्य अध्ययन - III (अर्थव्यवस्था एवं विज्ञान-प्रौद्योगिकी)

प्रश्न 3: स्वदेशी प्रोसेसर 'विक्रम-32' का महत्व और चुनौतियां।

उत्तर: विक्रम-32 (RISC-V आधारित) प्रोसेसर का विकास भारत के 'सेमीकंडक्टर मिशन' की एक बड़ी जीत है।

रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व

- **आत्मनिर्भरता:** ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों पर चिप-आयात की निर्भरता में कमी।
- **डेटा सुरक्षा:** स्वदेशी हार्डवेयर होने से 'हार्डवेयर ट्रोजन' और डेटा लीक का जोखिम न्यूनतम।
- **MSME/Start-ups:** IoT और एम्बेडेड सिस्टम्स के क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप्स के लिए सस्ती तकनीक उपलब्ध होना।

आगे की राह (चुनौतियां और समाधान)

चुनौती	समाधान
फैब (Fab) निर्माण की कमी	वैश्विक दिग्गजों (जैसे Micron, TSMC) के साथ JV बढ़ाना।
अनुसंधान व्यय	GDP का कम से कम 2% R&D में निवेश करना।
कौशल अंतराल	IITs में चिप-डिजाइन हेतु विशेष पाठ्यक्रम।

सामान्य अध्ययन - IV (नीतिशास्त्र)

प्रश्न 4: "नैतिक शासन राज्य और समाज के बीच विश्वास निर्माण की प्रक्रिया है।" विवेचन कीजिए।

उत्तर: नैतिक शासन केवल कानूनी ढांचे का पालन नहीं, बल्कि **संवैधानिक नैतिकता** का व्यवहार है।

- **नियम बनाम विश्वास:** नियम व्यवहार को नियंत्रित करते हैं, लेकिन विश्वास सहयोग को जन्म देता है। उदाहरण के लिए, **RTI एक्ट** केवल एक नियम है, लेकिन सूचना देने की तत्परता 'नैतिकता' है।
- **प्रेरणादायी उदाहरण:**
 - **सत्यनिष्ठा:** ई. श्रीधरन ने 'मेट्रो' परियोजनाओं में समयबद्धता और ईमानदारी से जनता का विश्वास जीता।
 - **सहानुभूति:** आर्मस्ट्रांग पामे (IAS) द्वारा जनता के सहयोग से 'पीपुल्स रोड' बनाना प्रशासनिक नैतिकता का शिखर है।

निष्कर्ष: विश्वास ही वह गोंद है जो लोकतंत्र में राज्य और नागरिकों को जोड़े रखता है।

करंट अफेयर्स (पर्यावरण)

प्रश्न 5: भारत का "हरित विरोधाभास" (Green Paradox): उत्सर्जन बनाम अक्षय ऊर्जा नेतृत्व।

उत्तर: भारत का विरोधाभास उसकी विकासात्मक अनिवार्यताओं और जलवायु प्रतिबद्धताओं के बीच का संतुलन है।

विरोधाभास के दो पहलू

1. **उत्सर्जन:** 70% बिजली उत्पादन अभी भी कोयले से होता है क्योंकि यह सस्ता और 'बेस लोड' के लिए विश्वसनीय है।
2. **नेतृत्व:** भारत ने **ISA (International Solar Alliance)** बनाया और 2070 तक 'नेट जीरो' का लक्ष्य रखा।

जटिलता का समाधान

- **Just Transition (न्यायपूर्ण संक्रमण):** कोयला खदानों पर निर्भर श्रमिकों को नए कौशल (Green Jobs) प्रदान करना।

- **Climate Finance:** विकसित देशों से तकनीकी और वित्तीय हस्तांतरण की मांग (CBDR-RC सिद्धांत)।

